Content

– विषयानुक्रम –

प्रथम अध्याय

अः– पृष्ठभूमि एवं परिचय। पृष्ठ 1 से 45

बः– वेदों पुराणों और उपनिषदो में गुरु तत्व की अवधारणा।

सः–नाथों सिद्धों की वाणियों में गुरु तत्व की अवधारणा।

दः– संत काव्यो में गुरु तत्व की अवधारणा ।

द्वितीय अध्याय

कः– नाथों सिद्धों और संतों की वाणियों का दार्शनिक विवेचन । पृष्ठ 46 से 70

खः–नाथों सिद्धो और संतो की वाणियों का गुजरात के संत कवियों पर प्रभाव ।

तृतीय अध्याय

अः– गुजरात के मध्य कालीन संत काव्यो में गुरु तत्व की अवधारणा एव गुरु शिष्य परंपरा । पृष्ठ 71 से 117

बः– गुजरात के मध्य कालीन संत कवियों का दार्शनिक विवेचन ।

चतुर्थ अध्याय

अः– पंजाब के मध्य कालीन संत काव्यों में गुरु अवधारणा एवं गुरु शिष्य परंपरा । पृष्ठ 118 से 157

बः–पंजाब के संत कवियों का दार्शनिक विवेचन ।

पंचम् अध्याय

अः— गुजरात और पंजाब के संत कवियों के गुरु तत्व अवधारणा एक तुलनात्मक अनुशीलन । पृष्ठ 158 से 190

षष्ठ अध्याय

गुजरात और पंजाब के विभिन्न संत कवियों का जीवन परिचय और उनके संप्रदायों का अनुशीलन । पृष्ठ 191 से 241

सप्तम् अध्याय पृष्ठ 242 से 263

उपसंहार

—: परिशिष्टः—